ॐ

~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय।

कक्षा-नवम् विषय हिन्दी

दिनांक-28/06/2020 क्षितिज-गद्य-खंड

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

शुभ प्रभात,

आपके चेहरे पर हमेशा खुशियाँ ही खुशियाँ थिरकती रहे!

सांवले सपनों की याद

पाठ का सार
~~~~

सालिम अली 'सांवले **सपनों की याद'** पाठ में बताते हैं कि बचपन में खेलते वक्त उनकी एयरगन से एक गौरैया घायल हो गई थी। इस घटना के कारण उनके जीवन की दिशा बदल गयी। उनके मन में पक्षियों के प्रति सहानुभूति जागृत हुई और वे बड़े होकर एक प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी एवं प्रेमी बने।

वे पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से मिले और उनके सामने पर्यावरण से संबंधित खतरों पर बातें कीं, जिससे उनकी आँखें नम हो गईं।

सालिम अली ने लॉरेंस के समान अपना जीवन प्रकृतिमय कर लिया था। डी. एच. लॉरेंस अंग्रेजी साहित्य के प्रसिद्ध प्रकृति प्रेमी कवि थे।

सालिम अली एक अद्वितीय प्रकृति प्रेमी थे। बड़ी उम्र में उन्हें कैंसर हो गया था। लेकिन उनकी घुमक्कड़ी और खोजी प्रवृत्ति नहीं बदली थी। वे अंत तक अपनी दूरबीन का प्रयोग करते रहे। उन्होंने जीवन भर जंगलों, झरनों, पहाड़ों और पक्षियों के संगीत को सुनने का आनंद लिया।

“सांवले सपनों की याद” एक व्यक्ति चित्र है । इसमें प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी सालिम अली का व्यक्ति चित्र है । सुनहरे पक्षियों के पंख पर सांवले सपनों का एक झुण्ड सवार है । वह मौत की मौन वादियों में जा रहा है । उसमें सबसे आगे सालि म अली हैं । जी,हाँ यह पक्षी प्रेमी मौत की गोद में जा बसे हैं ।

इस पाठ में सालिम अली के खुले स्वभाव की बात की गयी है । इस पाठ में बताया गया है कि कैसे सालिम अली पक्षी प्रेमी बने । कैसे उन्होंने साइलेंट वैली के पक्षियों को सही सुविधाएँ उपलब्ध कराई।

इस पाठ में दूसरे पक्षी प्रेमी डी.एच. लॉरेंस का भी जिक्र है ।

लेखक को विश्वास ही नहीं हो रहा है कि यह पक्षी- प्रेमी सच में इस शरीर को छोड़ जा रहा है ।

छात्र कार्य-:

पाठ का सार लिखे एवं पढ़ें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”

“ हम सुरक्षित जग सुरक्षित”